

DPN 6733

सारस्वति SĀRASWATI

Title :

Run. No. 7458

Cat. No. 21

Micro. No.

Subject Grammar

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 28.5 x 8.8

Folios 36 Lines ( in a page ) 6  
missing 1-3, 13-16  
Chapt. / act /

Compl. / Incompl.

Author / translator अनुभूति स्वरूपाचार्य  
Date: NS / SS / VS / KS Anubhute swarupa charya  
Scribe / donor  
Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beg लोप इति न स्यात् ॥ रस रहितत्वात् संयोगात् न स्यात् लोप इति न स्यात् ॥ - Folio 4.

P.T.O.



इति श्री अनुभूते स्वरूपाचार्य वृत्तौ प्रकृति भावः ॥ Folio 4.



20

15

10

5

0

5

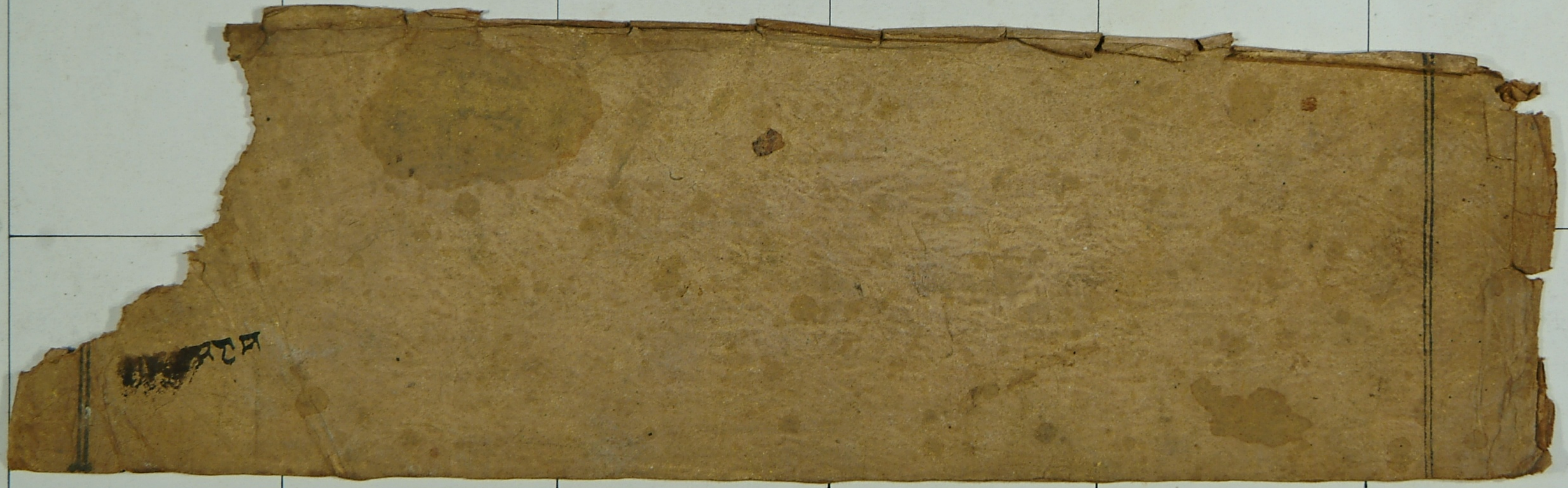
10

15

20

25

30









[illegible]

प्र० यथा ध्वयिमात् ॥ एतयूति ॥ गव्यूति ॥ नवाङ्गु न स्वना ॥ सन्ध्या ॥ व्याङ्गु न स्वना ॥ सन्ध्या  
यान एवमि ॥ देवी गृही ॥ पद हर्म ॥ ऊलं पद्म ॥ वाया गति ॥ नोयाने ॥ वेधुति ॥ सा एम ह, लो ॥ पुन  
योमनियसस्वि ॥ क्वचिलक्षानूनाधत्वास्व नद्यका नवादेया ॥ पिण्डी ॥ गव्यूति ॥ नून्यगु नवीमिणी  
वे ॥ एतयूति ॥ आगमवे पर्यप्रसंगपथमनसवर्धदीर्घ ॥ ननस्वर्व ॥ स्वेतिस्वी ॥ पोः ॥ व्य  
पु ॥ प्रेक्ष ॥ नून्याय ॥ अका नी आय एवमिस्व न पत्र ॥ ननूक ॥ नायक ॥ अका नी आ







वदुष्यापकतामान्य १ अल्पवायकविषयः

न कथं प्राप्तिः ॥ गदधनमाह ॥ सामान्यता सुनने विषयावलवा न वे ॥ पत्रं द्वा पूर्ववा ॥ अवा  
 प्रायः अदभ्यगामिह ॥ ॐ ॥ ॐ व धू ॐ व ॐ पत्रं सह न एव नि ॥ न वे ॐ द ॥ न वे द ॥ मम  
 ॐ द ॥ मम द ॥ हला द नी वा दोट ॥ लो पा व के वा ॥ हल ॐ वा ॥ हली वा ॥ लो हल ॐ ली वा  
 ॥ ला हली वा ॥ मनस ॐ वा ॥ मनी वा ॥ नृश उ म ॥ नृश ॥ पग न नृशु लि ॥ पग नृशु ली ॥ कर्क ॥ ॐ ॥  
 नृशु ॥ कर्क धू ॥ कल नृश ॥ कल न ॥ सीम न नृश ॥ सीम न ॥ ॐ ॥ नृव लू ॐ उ व धू पत्रं सह  
 दा वे हे नि ॥ मी न उ द के ॥ न ॐ द के ॥ मी न उ द के ॥ मी न द की ॥ उ झू उ द के ॥ उ झू द के ॥ म नृ न ॥

॥ ॐ ॥

थलशुभिकान्या

नृव धू मव धू पत्रं सह ॐ नृन एव नि ॥ न व स दि ॥ न व धि ॥ क चि दान ॥ नृव धू मव धू यत्र  
 सह क चि दान एव नि ॥ म न स धी ॥ म न स धी ॥ मी न स न ॥ मी न र्क ॥ म न ॥ प्र व स न व त्स न  
 क म्ब ल द अ न मृ ॥ पत्रं ॥ प म धी ॥ प म धी ॥ व स न म धी ॥ व स न म धी ॥ व त्स न ॥ न न स धी  
 व त्स न म धी ॥ क म्ब ल म धी ॥ क म्ब ल म धी ॥ द म म धी ॥ द म म धी ॥ म न व र्क नी या स मा स ॥ मी  
 न न स न ॥ मी न र्क ॥ म नि धा न नृ स न स ॥ पार्क नि ॥ न म धा न र्क ॥ प्र म धी य नि ॥ प







॥ यदित् ॥ ॐ वरुच प्रवये ॥ ॐ का ना न उ का ना न नु का ना न भव भदा दित् वरु मान ॥ सन्निन  
 प्राप्ताणि ॥ मदी वा दि वरु ॥ नूनी नूण ॥ पद नूण ॥ माले आ नय ॥ मदी वा दि दि के ॥ मदी व ॥ ना दे व सी  
 व ॥ दी प नी व ॥ जा या प नी व ॥ मा या प नी व ॥ नूत मानी वा दय ॥ ॐ निया ग ॥ आ का न श का न नी पा ग ॥ ८ ॥  
 नूक स न भ सन्निन प्राप्ताणि ॥ आ नू व स न्य स ॥ ना नू ग नू ग वी ॥ नू य दि ॥ नू सि य ॥ ॐ नू नू प न्य  
 ॥ पू ग ॥ पू नी वे रू ॥ सन्निन प्राप्ताणि ॥ दू ना दा का न च न ॥ पू ग ॥ दू ना दा का न भ न वि चा न ना द न च

ट पू ना ए व नि ॥ पू त पू ग सन्निन प्राप्ताणि ॥ दे व द रू नू दि ॥ ॐ नू नि ॥ नू नू र नि स नू पा चा र्थ वृ ॥ नू प क नि  
 ए व ॥ ए नी य पा द स मा फ ॥ नू थ वा नू न का र्थ मू चा न ॥ वे पा नू वे ज वा ॥ प दा नू व रू मा ना भ पा ऊ  
 वा ए व न्य वे प न ॥ य ट नू ग ॥ य उ ग ॥ वा कू य थ ॥ वा ग्ध थ ॥ नू च नू न ॥ नू ऊ न ॥ आ पु नू न ॥ नू  
 वी न ॥ नू नू द ॥ नू दि द ॥ क कू य थ ॥ क कू य थ ॥ नू थ ग्र ह र्थ कि म र्थ ॥ च पा नू स नू य पा नू वृ स  
 र्थ ॥ नू म नू मा वा ॥ प दा नू व रू मा ना भ पा नू म प न ॥ नू मा वा ए व नि ॥ वा कू मा र्थ ॥ वा द्वा र्थ ॥



वाष्माणी॥ सट् नन४॥ सट् न४॥ सट् न४॥ सट् न४॥ सट् न४॥ सट् न४॥ सट् न४॥ सट् न४॥  
 ॥ गद्रयने॥ विष्टुपमिनाति॥ विष्टुमिनाति॥ विष्टुमिनाति॥ विष्टुमिनाति॥ विष्टुमिनाति॥  
 ॥ नुगशुजाति॥ मयतिप्रत्ययचपाती॥ सानिर्येस्प॥ विगुमय॥ विगुमय॥ विगुमय॥  
 मय॥ नृपदानक॥ तिर्कि॥ पनमात्मा॥ यत्न४॥ चपाद॥ ४४॥ चपाद॥ नस्प४का॥ नस्प४का॥  
 वाएवति॥ वाकु४॥ वाकु४॥ वाकु४॥ सट् न४॥ सट् न४॥ सट् न४॥ सट् न४॥

२

गत्॥ सट् न४॥ गत्॥ सट् न४॥ गत्॥ सट् न४॥ वाष्माणी॥ वाष्माणी॥ वाष्माणी॥ वाष्माणी॥  
 कुमे॥ नृपदानक॥ तिर्कि॥ पनमात्मा॥ यत्न४॥ चपाद॥ ४४॥ चपाद॥ नस्प४का॥ नस्प४का॥  
 गत्॥ सट् न४॥ गत्॥ सट् न४॥ गत्॥ सट् न४॥ गत्॥ सट् न४॥ गत्॥ सट् न४॥ गत्॥ सट् न४॥  
 द्वर्गक॥ तिर्कि॥ पनमात्मा॥ यत्न४॥ चपाद॥ ४४॥ चपाद॥ नस्प४का॥ नस्प४का॥  
 लो॥ नृपदानक॥ तिर्कि॥ पनमात्मा॥ यत्न४॥ चपाद॥ ४४॥ चपाद॥ नस्प४का॥ नस्प४का॥



गिष्टकुनी वाभयविकल्पार्थः ॥ उगस्मान् ॥ उत्कान् ॥ उगस्मान् ॥ उल्कान् ॥ उदस्कादभात्रा  
 पंरनपूर्वीगुपनस्कागमिनुविगावित्पादवभाभासकात्रस्यलोपरवगि ॥ स्का ॥ स्का ॥ स्का ॥  
 स्का ॥ सकात्रस्यगवर्नस्यभकात्रं ववर्नदवया (व्यभकात्रं ववर्नयथासं ॥ खानएवगि ॥  
 सकात्रस्यभकान् ॥ गवर्नस्यचवर्नकसूत्रगि ॥ कश्चनगि ॥ कसूति ॥ कश्चादयति ॥ कसूत्र  
 ॥ कश्चन ॥ गगुचिगी ॥ गचिगी ॥ गगुच्छादयति ॥ गगुच्छादयति ॥ चपादुस ॥ गगुसासु ॥ गगुसासु ॥ गगु  
 कायति ॥

ऊयति ॥ गऊयति ॥ गगुसासयति ॥ गऊसासयति ॥ गगुच्छाकात्रं द ॥ गगुच्छाकात्रं द ॥ नभगु ॥  
 भकात्रस्यगवर्नस्यचूर्त्तनएवगि ॥ विभन ॥ विभन ॥ प्रभन ॥ स्का ॥ स्का ॥ स्का ॥ सकात्रगवर्न  
 या ॥ सकात्रगवर्नस्योयोस्काएवगि ॥ सकात्रस्यकात्रगवर्नस्यगवर्नस्य ॥ कसूत्र ॥ कसूत्र  
 ॥ कसूटीकदौन ॥ कसूटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटी  
 नी ॥ गगुटीनी ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥ गगुटीकदौन ॥



नानागि॥ नानागि॥ एवानलिखगि॥ एवानलिखगि॥ अकस्मादिप्ररुदायैरुवर्जिगायवला॥ सा  
 ननासिकानि नननासिकोभ्यगुसाननासिकौ नवनकात्रस्यलकात्राएवगि॥ नवि॥ यका  
 प्रपत्रमेवग्नस्यदूर्त्वेनएवगि॥ एवानुषय॥ एवानुषय॥ यानन्यागु॥ पदानेवरुमानादृव  
 र्त्नोत्पन्नस्यसा॥ दूर्त्वेनएवगि॥ यदुसीदन्ति॥ यदीदन्ति॥ चपात्रैवजवा॥ यदुनेन॥ यदुने  
 न॥ न॥ संकुग॥ नानकस्यपदस्यद्वुनेपत्रसकममममएवगि॥ टिक्किगावाशुक्तयोवकयो

११

॥ जाऊनचिर्षी॥ जाऊंभिर्षी॥ एवानननागि॥ एवीसुनागि॥ दृष्टिदृ॥ एवानदीकर्ण॥ एवाशी  
 कर्ण॥ एवी०कात्र॥ एवीदृकात्र॥ नभूयप्रभान॥ नकात्रप्रभानवर्जितेस्यपदस्यद्वुने  
 पत्रपत्रगुसकात्राएवगि॥ एवानद्वययगि॥ एवाभूदयगि॥ एवासुनगि॥ द्वाविनिर्कि॥ ए  
 वाकत्रागि॥ नृप्रभानिर्कि॥ प्रभानिर्नगि॥ एवान्दानुकर॥ भवका॥ नानकस्यपदस्यभपत्र  
 वाचुकावममएवगि॥ यद्वाधिर्गदवाधिगमव॥ साभूरिभूषाचपाद्वस॥ एवानुभूत्र॥ एवाभू







हास्यामी सैयं लीमां महावल ॥ ४ ॥ यौ दो पाद पूज (६) सन्धार्थ ॥ यद्वै की लोकिकायै हं न हं  
 देव कुलै एव तू ॥ सौम्या हं मी दे दे मो सा ॥ मिया दिना मे दृष्टा ॥ ५ ॥ विस्ववर्गि चिदपवर्गि  
 कविदिएवाक चिदन्मदेव ॥ विधेर्विभंती वदुधा समीक्ष ॥ चापुर्विधं वा कुल कवदक्ति ॥ वर्ध ॥ १७ ॥  
 गमावर्ध विपर्ययं दो चाप जो वर्ध विकानना ॥ १८ ॥ धाता सुदर्थ मिभयन याव ॥ सुदचन प  
 ॥ विधे निरुकी ॥ वर्ध गमावय न्यादो ॥ सिंह वर्ध विपर्यय ॥ १९ ॥ आदम्मा दो विकाने स्या वर्ध ना

यं

म ४२

म ४२ पुथादय ॥ वर्ध विकानना मार्या धाता नै मिभयानय ॥ २० ॥ याव स उचन प्राप्ते मयून  
 नुमनादिय ॥ २१ ॥ मिभयान नुमनादिय नुपाचाय वर्धो विसर्ग सन्धि ॥ पञ्चपाद समाफ ॥ २२ ॥  
 अथ विरुकिर्विलवाग ॥ सोदिध ॥ स्यादि स्यादि ॥ विरुक् नी पदे ॥ गगुस्यादि विरुकि नीधो  
 योक्त ॥ २३ ॥ अविरुकि नाम ॥ विरुकि नहि नीधो गुर्वी नी यार्थ वच्चुद नुपनामा चो ॥ २४ ॥ कलदि गस  
 मासा ॥ पातिपदिक से ॥ २५ ॥ गस्या ॥ सि ॥ २६ ॥ नुम ॥ २७ ॥ नास्या मरिस ॥



सि २

स्व कि

स

५२

५३

स२



क्र ४३

हमिथेकवचनं दवगोष्ठिनिष्ठिग ॥ टकात्रा इन्वन्धं स्रुर्न निविमयस्यार्थ ॥ दन ॥ अकास्य  
पेशां नो एवमि ॥ अरुनु ॥ दवन ॥ अहि ॥ अकात्रा एवमि एकात्र सकारे च परे ॥ मान  
स्यान ॥ देवासी ॥ अरु ॥ अकात्रास्य न स्पृहिसा एकात्र स्या कात्रा दम्भ एवमि ॥ अग्रवदा दम्भ ॥ १२ ॥  
॥ अरुनु ॥ दवरि सुष्ठिनिष्ठिग ॥ वृद्धि विमर्शनीयो ॥ अरुनु ॥ दवे ॥ अरुनु ॥ वदितु  
या ॥ अरुनु ॥ स्य कार्ये कर्तव्यं वदितु मसिद्धि स्यात् ॥ ननप्रथमं न सवर्ण दीर्घ ॥ अ

समि

सप्त

कात्रस्य लिप्तिच्छन्दस्य कात्रावकवा ॥ दवरि ॥ कर्तुर्लि ॥ चतुर्थकवचनं दवदं  
स्रुनिष्ठिग ॥ टकात्रा दिक्कार्यार्थ ॥ सर्वगुद नक ॥ अकारस्य नुत्वे स्य न स्पृहिसा एकात्र स्या अ  
गममा एवमि कत्वादने ॥ अरुनु ॥ दीर्घ ॥ दवोय ॥ पूर्ववगुदवाणी ॥ अरुनु ॥ वदितु ॥ अका  
त्रस्य नुत्वे एवमि ॥ सकारे एकात्र च परे वदितु सति ॥ दवे ॥ अरुनु ॥ कवचनं दवद  
स्रुनिष्ठिग ॥ टसिन ॥ अकात्रास्य नो टसिन दवमि ॥ दीर्घ ॥ दवाग ॥ पूर्ववगु ॥ अहि

सप्त



॥ देवाणी ॥ प्रह्लिवदुत्वं ॥ देवाण्य ॥ यद्वीकवचनं देवदसं नित्तिग ॥ दसस्य ॥ नृका  
 यात्यगदसस्य एवमि ॥ देवस्य ॥ असि ॥ नृकात्रस्य प्रत्वं एवमि असिपत्र ॥ प्रनय ॥ स्वनेदि  
 नपत्रनसं याञ्च ॥ अविस्मर्ग ॥ देवया ॥ नृणाम ॥ समानादुलनस्यामानृणामा एवमि २०  
 ॥ उकात्रउचात्रनार्थ ॥ नामि ॥ नामिपत्रपूर्वस्य दीर्घा एवमि ॥ मानृस्वात्र ॥ देवानी ॥ सफस्ये  
 कवचनं देवदिब् नित्तिग ॥ नृब् नृ ॥ देव ॥ असि प्रत्वं कृत् पञ्चग ॥ प्रनय ॥ देवया ॥ प्र

स्वनि

दृग् किल्लास्य ॥ स ॥ कृत् गस्य ॥ कवर्गादिलाच्च पय्याहाजादुलनस्य केनचित्सूत्रेण कृत् गस्य स  
 कात्रेस्य यकाजादुलनस्य एवमि ॥ देव ॥ नाम नृक्षसिद्धि ॥ नाम नृक्षमाहिमस्वीकनर्ध  
 तस्मिन्नर्थविहिग ॥ सिद्धि सङ्गी एवमि ॥ समानादुल्लोपाधमा ॥ समानादुलनस्य ध्वलो  
 पोरवेस्य धमा ॥ आहिमस्वाहिवकयहं भद्रपाकुयोग ॥ हं देव ॥ हं देवी ॥ हं देवा ॥ प्र  
 वंघटपटस्यैक एकादयाप्यकाजान्ता ॥ पूर्वस्य ॥ नृकाजान्ता नामपि सर्वादीर्घानां नृवि







सर्वस्मः नदिः सवाणी नुस्मिन्निवद्वत् सर्वेयः दसिनः पंचमकचने सर्वजगत्तिह  
 नः नगः सर्वदिक्का नो कात्यनस्या नः सदा बभौ एवमिः सर्वर्षी दीर्घः सर्वस्मान् नदिः  
 सर्वेयः नुस्मिन्निवद्वत् सर्वेयः कस्यः सर्वेयः अस्मिन् स्वर्गदीर्घं पत्रं हर्षेया अस्मिन् नयः  
 सर्वथाः सृजामः सर्वदिक्का पत्रस्यामः सृजामि एवमिः नुस्मिन्निवद्वत् किलात्सः सक  
 गस्यः सर्वेयः दिस्मिन् सर्वदिक्का नो कात्यना दिस्मिन् एवमिः सर्वस्मिन् पूर्वपत्रं अस्मि

२२

सुनि

नयः सर्वथाः नुस्मिन्निवद्वत् किलात्सः सकः सर्वेयः हः सर्वः हः सर्वः हः सर्वः नुर्वि  
 द्वादिनामकभद्रपर्यं नो नूयन्तयः उगन उगमो विहाय गोपय्योः पूर्वीदीनाकुनवा  
 तीरुसब्दकावावकवाः पूर्वपूर्वा पत्रपत्रा दक्षिण दक्षिण उरुन उरुना नूयन  
 नूयनो दक्षिणा स्या स्मिन्नावावकवोः पूर्वस्मान् पूर्वाग्नः पूर्वस्मिन् पूर्वः पत्रस्मान् पत्रा  
 ग्नः पत्रस्मिन् पत्रः आदिषाद्यान् नूयनः दक्षिण उरुन नूयनो नूयनः स्वन्नूयनपर्यं



[illegible]

स्वनि

लो० उरयमद्यानिर्यदिवचना एव० नुकवचनवद्ववचने एव० ०० कान् उचात्रनार्थ  
०० मूर्धिसर्ग० उरय० ऊसी० जूळुनु० उरय० असमसाजस्य० उरय० मकानमसीति  
विष्णुवक्षार्थ० असमसाजस्य० सोन० र्पस० मसि० उरयोनु० टन० जूळुनु० उरयन  
० वय० जूळुनु० पुजेनु० उरय० सर्वादेस्मांठ० पुजेनु० उरयस्मि० मुक्तिवद्वत्वं  
उरयस्य० पूर्वन्० उरयस्य स्मान्० उरयस्य० दस्य० उरयस्य० सुगाम० लिक्ला

ਅੰਗ ੪੧



त्वत्सु ४ उलययी ४ दिस्मिन् ४ उलयस्मिन् ४ उलयय ४ ह ४ उलय ४ ह ४ उलय ४ नृकाना नृस  
 पिमासं यदस्य विष्णुमाह ४ मासस्या लोपावा ४ मासश्च स्या कानस्य लोपावा एव नि ४ सर्वा सुवि  
 र्कियुन ४ नृकानलोपय ४ ह से प ४ से लो प ४ ह साकादीव न्नाच प ४ से लो पा एव नि ४ मा  
 र्चि सुर्ग ४ नृद व ४ लो प ४ मा ल्यो ४ मासा ल्यो ४ मा लि ४ मा से ४ मा से ४ मा सा य ४ मा ल्यो ४ मा २४  
 सा ल्यो ४ मा ल्य ४ मा स ४ मा सो न ४ मा ल्यो ४ मा मो ल्यो ४ मा ल्य ४ मा स ल्य ४ सो मा ४ मा स मा स स्य  
 २॥ मा ४॥ मा स ४॥ मा सो ॥ सो मो ॥ मा स ४॥ मा सा ॥ मा से ॥ मा से ॥ ओ ओ ओ ॥ मा सो ॥ मा सो ॥ मा स ४॥ मा स ४॥ मा

मा स न म २  
 मा स न म २  
 मा स न म २  
 मा स न म २

मा सा ४ मा स या ४ मा सा म ४ मा सा ना म ४ मा सि ४ मा से ४ मा सो ४ मा स या ४ मा स ४ मा से यु ४ मा से  
 ह मा ४ ह मा स ४ ह मा सो ४ ह सो मो ४ हे मा स ४ ह मा सा ४ नृकाना नृ ४ पू लि ४ सो म पा म य  
 ४ ४ का ना उच्चा न ध र्थ ४ सो म या ४ नृ व र्ध्वा न ४ ओ ओ ओ ४ सो म यो ४ सो म या ४ सो म पी ल्यो ४  
 सो म यो ४ व दू व च न सो म या स स् ४ मि ति न ४ नृ गो धा ना लो प ४ धा गु स म्ब धि न नृ का न स्य लो  
 पा एव नि ४ सा दो स्व न प ४ सो म प ४ सो म या ४ सो म या ल्यो ४ सो म या लि ४ सो म य ४ सो म या ल्यो







ह्रितीः॥ दिमिः॥ का नान्तस्यो का नान्तस्य च दिमि पत्रं नु कान्तं अ कान्तं एव निः॥ मुत्र यः॥  
 ह्रनयः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥  
 मिः॥ अविमर्शः॥ ह्रनः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रनः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥  
 ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥  
 ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥ ह्रितीः॥

स्वति

उका नान्तो वं विष्टं वा यं एनं पृथग्यो यं न वसू पु सिद्धिं निः॥ एनः॥ एनः॥ एनवः॥ एनमः॥  
 एनः॥ एननः॥ एननाः॥ एननीः॥ एनहिः॥ एनवः॥ एनस्यः॥ एनाः॥ एनस्यः॥ एनाः॥  
 एनस्यः॥ एनाः॥ एनोः॥ एननीः॥ एनाः॥ एनोः॥ एनोः॥ एनोः॥ एनोः॥ एनोः॥ एनोः॥  
 सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥  
 सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥  
 सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥ सद्यः॥



नृणां यः नृपदान्तत्वात् यः श्रो पठ्यपदान् न एवमिति सखा यो द्विवचनस्योवात्रस्था कच्छद  
 सिः सखा यः सखा यः सखा यो सखा या नृमृससीत्रस्य सीन ४ पूस ४ अमिः सखी नः सखि  
 पत्न्यात्रीकः सखीपतिषाद्ययात्रीगममा एवमिति नादुद्विष्टयत्र ४ कित्वादर्कः सवर्त्तुदीर्घः ३७  
 सह दीर्घत्वा नान एवमिति ४ यस्व नः सखा पत्न्या नृगममज्जनित्यै नृनित्यत्वात् सखिना  
 पतिना सखिण्याः सखिरिः सवर्त्तुदीर्घः ४ यस्व नः सखा सखिण्याः सखिर्यः अर्द्धः सखिय

सखि

मिषाद्यया मगममा एवमिति दसिदसादकारं पत्रं कित्वादर्कः ४ यस्व नः सख्य नृमृ ४ नित्तिग  
 ४ मगिदु ४ अकारा नासत्रस्य दसिदसः नकारस्य उकारा एवमिति कित्वादर्कः सवर्त्तुगु कित्वा  
 दित्वायः सख्यः पत्न्याः सखिण्याः सखिर्यः सख्यः सखाः सखीनामः सफमं कवच नद  
 जोदित्यो कारकृण सखिय त्यागिगिठ्ठ भगमा ४ सख्योः सखिद्यः नृमिसखिर्य सखिर्यैव सस  
 खिषाद्यवत् एनीयादो हनिषाद्यवत् पतिषाद्यस्य पुथमादिनीया हनिषाद्यवत् प्रक्रियाः एनीय



दोसखिभदवद्वकवा॥ यमित्रसमासुवसखिभदवकवा॥ गन॥ समासाकस्यनादयाएवमि  
 प्रजायमिनी॥ प्रजापनय॥ धृष्ट्यादि॥ दिभद्यानिर्यदिवचनान्॥ द्विजोळूमिहिन॥ लदादष्टन  
 स्यादो॥ लदादष्टनकात्राएवमि॥ स्योदोपत्र॥ गन॥ ओओओ॥ दोदो॥ दववग॥ दाखी॥ ३॥ दया २८  
 १॥ प्रिभद्यानिर्यवद्वकवा॥ प्रिऊसद्धमिहिन॥ नुओऊसीत्येकात्र॥ कन॥ नूयोद॥ ४॥ प्रय॥  
 १॥ प्रिन्॥ प्रिहि॥ प्रिय॥ प्रिय॥ प्रनयद्॥ प्रिभदस्यायदोद॥ एवमि॥ नामिपत्र॥ दिदकस्य

समि

१६  
 वकनवा॥ नामिमिदीर्घ॥ कुर्क्ष॥ एभमन॥ प्रयद्यी॥ किलात्य॥ स॥ प्रिय॥ कमिभदाकुसुसा  
 लव्यवकव॥ कमिभदानिर्यवद्वकवा॥ कनि॥ कनि॥ कनिहि॥ कमिप॥ कनीनी॥ कनि  
 व॥ प्रिर्लि॥ एभमन॥ धीकात्राक॥ धूर्लि॥ ग॥ सुखीभद॥ सुखी॥ आर्दनात्रिप्रवोस्व॥ वागा  
 त्रिकात्राकात्रयी॥ त्रिर्बोएवग॥ स्वत्र॥ पत्र॥ सुखियो॥ सुखिय॥ सुखिय॥ सुखियो॥ सुखि  
 य॥ सुखिया॥ सुखियो॥ सुखीरि॥ सुखिय॥ सुखीर्यो॥ सुखीर्य॥ सुखिय॥ सुखीर्यो॥ सु



















बुधवा

च विमेव ४॥ स्वनादां वौ वौ दम ॥ (हो ४॥ वलव ४॥ ह वलो ४॥ ह वला वौ ॥ ह वला च ४॥ वला वि ॥ वला वौ ॥  
 लो ४॥ वृत्ति स्वनाका ४॥ पू लि ४॥ अथ स्वनाका ४॥ मी लि ४॥ पट ४॥ न ॥ ग पु आ का वा न मी लि  
 नम ॥ गी म स द ४॥ आप ॥ आ का ना का त्य न स्य स लो पा र व नि ॥ गी म ॥ ओ पी मे ॥ आव का त्य न अ  
 वृ का न मा प द ग ॥ अ वृ नु ॥ गी वा ॥ गी म ४॥ धि वि ४॥ आव का त्य न धि वि क व नि ॥ ह गी वा ॥  
 ह गी वा ॥ ह गी म ॥ अ वा दी ता धो फ स्त ४॥ व दू स्व ना हा नु ॥ ह नृ वि क ॥ ह नृ वा लि क ॥ ह नृ

३३

स्वनि

वाल ॥ गी म ॥ ग वा ॥ गी म ४॥ टो स्व न ॥ आव न स्य टो सो प न या न र्व ए व नि ॥ अ या द म ४॥  
 गी न या ॥ गी म स्या ॥ गी म रि ४॥ नु नु नु ॥ गी म य ॥ गी म स्या ॥ गी म स्या ४॥ गी म या ४॥ गी म स्या  
 गी म स्या ४॥ गी म या ४॥ गी म या ४॥ टो सो य ॥ नृ गी मे ४॥ गी म ना म ॥ नृ म ॥ य दा द म रु द  
 क व नि ॥ दि टी य द ॥ आव का त्य न स्य यी द द सि द स ॥ दि वृ स्य न र्व य गी म ए व नि ॥ व गी  
 यी ॥ ग म य ४॥ गी म स ॥ अ वृ द म धां म लां मा लां ह लां दा लां जा यां मा यां पु र म य ४॥

नृ

20

15

10

5











॥ का ना क मी लि ॥ न नदी भद ॥ ह स प ॥ स ला प ॥ न दी ॥ ह र्ये स्व न ॥ न डो ॥ न ड ॥ न दी ॥  
न डो ॥ न दी ॥ ॥ धो ड स ॥ ॥ व ॥ धू व धू या न धा गो मी यो ॥ धो प र ॥ धू र व गि ॥ ह न दी ॥ ह न डो ॥  
ह न ड ॥ न ड ॥ न दी र्यो ॥ न नी री ॥ ॥ डि ना म ट ॥ मी या मी का ना ना दू का ना ना च य र ॥ धी डि ती व च न ॥  
ना म गी धा मा र व गि ॥ ॥ ह र्ये स्व न ॥ ॥ नु नु नु ॥ न डो ॥ न दी र्यो ॥ न दी र्य ॥ न ड ॥ न दी र्यो ॥ न दी र्य ॥  
न ड ॥ न ड ॥ न न दी ॥ न डो ॥ न ड ॥ न दी र्य ॥ ॥ व ॥ नो मि ॥ स न स्व गी वा धा ही प र ग य ॥ ॥ नु न

३७

स्व गि

न व स प ॥ सि डी ति ॥ ल क्षी भद स्यै व ग त्वा रा वा स ॥ ॥ धो पा ना मि ॥ ल क्षी ॥ ल क्षी ॥ ल क्षी ॥ ॥ धो ड स  
॥ ॥ ह ल क्षी ॥ ॥ धो य न नी दी व ग ॥ मी भद स्यै व न न्ना रा स ॥ ॥ धो पा र मि ॥ मी ॥ मी यु वा ॥ मी भद क म  
॥ ॥ धू स्यै व र व गि ॥ स्व न प र ॥ ॥ मी यो ॥ मी य ॥ ॥ ह मि ॥ वा म भ मि ॥ नू मि भ मि च प र ॥ मी भद स्य  
॥ ॥ च य र व ग ॥ मी ॥ मी य म ॥ मी यो ॥ मी य ॥ मी ॥ मी या ॥ मी र्यो ॥ मी र्यो ॥ ॥ ॥ डि ना म ट ॥  
॥ ॥ मी र्यो ॥ मी र्यो ॥ मी र्य ॥ मी या ॥ मी र्यो ॥ मी र्यो ॥ मी र्यो ॥ मी र्यो ॥ मी र्यो ॥ मी र्यो ॥ मी र्यो ॥ मी र्यो ॥











[illegible]

स्वनि

मधु॥ हं कर्त्तुं ॥ हं कर्त्तुं ॥ ॐ ह्यादि॥ नामिनः स्वयं॥ नाम्यक्तस्य नर्पुस्तकस्य नूमागभा एव  
 नि॥ स्वयं पयं॥ नृणो वविरकि स्वयं नर्वं वृक्षत॥ ननदडा अथादो न्नन्॥ नृभिः ॥ ॐ भ  
 नृभिः नी॥ नापधायो दीर्घः॥ नृहीनि॥ नृश्चात्कुंटादो॥ नृत्वादीर्णानूमागभा एव नि॥ ॐ क  
 पस्यं चोकाभा एव नि॥ गदो स्वयं पयं॥ नृत्वा प॥ स्वयं स्वयं काचुसो दो॥ नान्कस्यो पधायान्  
 म्यत्वा पा एव नि॥ भभादो स्वयं पयं॥ नृद्विग ॥ ॐ पि ॥ ॐ कायं च॥ मकायं च कायान्कन











२२ ह्यमिण्यादि॥ वसीनसखस



0 CMTS.

5

10

15

20

25

30

35



20

15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

25

30

35

